

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

राष्ट्रीय अभिलेखागार, भारत सरकार के पुराने अभिलेखों का अभिरक्षी संस्थान है। यहां इन महत्वपूर्ण दस्तावेजों को, इन्हें तैयार करने वालों तथा जनसामान्य के उपयोग के लिए धरोहर के रूप में सहेज कर रखा गया है। इस अभिलेखागार में, दक्षिण-पूर्व एशिया में पुराने अभिलेखों का सबसे बड़ा संग्रह मौजूद है। अभिलेख, किसी भी देश की अमूल्य दस्तावेजी धरोहर होते हैं और भारत के प्रमुख पुरालेखी संस्थान के रूप में राष्ट्रीय अभिलेखागार, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर, अभिलेखों के विकास का मार्गदर्शन करने तथा इसे व्यवस्थित करने में मुख्य भूमिका निभा रहा है। देश के सार्वजनिक अभिलेखों के एकमात्र संग्रह संस्थान के रूप में, राष्ट्रीय अभिलेखागार, राष्ट्र की महत्वपूर्ण स्मृतियों को संजोने का अनूठा दायित्व भी निभा रहा है।

राष्ट्रीय अभिलेखागार की स्थापना १८९१ में कलकत्ता में इम्पीरियल रिकार्ड्स विभाग के रूप में हुई और १९११ में इसे दिल्ली में स्थानांतरित कर दिया गया। राष्ट्रीय अभिलेखागार के वर्तमान भवन का निर्माण १९२६ में हुआ और सभी अभिलेखों के हस्तांतरण का कार्य १९३७ में पूरा हुआ। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद, इम्पीरियल रिकार्ड्स विभाग का नाम बदलकर राष्ट्रीय अभिलेखागार कर दिया गया।

भारत सरकार के सार्वजनिक अभिलेखों के अभिरक्षी के रूप में इस संस्थान में वर्ष १७४८ तक की नियमित श्रृंखला के अभिलेख मौजूद हैं। इन अभिलेखों में सुशासन के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध हैं, जो ऐतिहासिक तथा बहुविधा किस्म के शोध के लिए ठोस आधार प्रदान कर सकती हैं। राष्ट्रीय अभिलेखागार में भारत के हित के दृष्टिकोण से ऐसे रिकार्डों की माइक्रोफिल्मों भी मौजूद हैं, जिन्हें विदेशों के पुरालेख संग्रह संस्थानों से हासिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रख्यात भारतीय नागरिकों के निजी दस्तावेजों के साथ-साथ प्राच्य अभिलेखों का विशाल संग्रह भी यहां मौजूद है, जिनमें पांडुलिपियां और परवाना, खरीता, फरमान आदि जैसे विभिन्न दस्तावेज शामिल हैं। ये सभी अभिलेख, सार्वजनिक अभिलेख नियमावली, १९९७ के प्रावधानों के अनुसार संदर्भ के लिए उपलब्ध हैं।

राष्ट्रीय अभिलेखागार में प्रतिबंधित प्रकाशनों, भाषायी समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टें, संसदीय दस्तावेजों आदि के साथ-साथ अत्यंत समृद्ध संग्रह वाला एक विशाल पुस्तकालय भी है।

११ मार्च, २०१५ को राष्ट्रीय अभिलेखागार ने अपनी स्थापना के १२५ वर्ष पूरे किए। इम्पीरियल रिकार्ड्स विभाग से लेकर वर्तमान में राष्ट्रीय अभिलेखागार के रूप में अब तक के इस लंबे सफर की कामयाबी के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संबंध में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत एक प्रदर्शनी लगाई गई तथा राष्ट्रीय अभिलेखागार के १२५वें वर्ष के उपलक्ष्य में एक प्रतीक चिह्न भी जारी किया गया। इसके साथ-साथ इस संस्थान का सर्च पोर्टल-अभिलेख पटल भी प्रारंभ किया गया। इसी दौरान, गांधी-मंडेला पर एक विशेष वर्चुअल प्रदर्शनी भी लगाई गई (दक्षिण अफ्रीका में आयोजित भारत पर्व के सिलसिले में जोहेन्सबर्ग में प्रदर्शित) और राष्ट्रीय अभिलेखागार की पुरालेखी सामग्री पर आधारित नए प्रकाशनों का भी विमोचन किया गया।

राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय के संबद्ध कार्यालय के रूप में कार्य करते हुए देश की दस्तावेजी धरोहर के संरक्षण का दायित्व निभाता है। यह संस्थान, सार्वजनिक अभिलेख अधिनियम, १९९३ तथा सार्वजनिक अभिलेख नियमावली, १९९७ के कार्यान्वयन की नोडल एजेंसी भी है। भोपाल में राष्ट्रीय अभिलेखागार का एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थित है और भुवनेश्वर, जयपुर और पुदुचेरी में इसके तीन अभिलेख केन्द्र हैं।

डाक विभाग, राष्ट्रीय अभिलेखागार की स्थापना के १२५ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ

: प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ : श्रीमति नीनू गुप्ता  
विरूपण



## तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पै.
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	:	5.01लाख
Stamps Printed	:	0.501million
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।  
© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.



## NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

The National Archives of India (NAI) is the custodian of non-current records of the Government of India and is holding them in trust for the use of the records creators and users at large. It is the biggest repository of the non-current records in South East Asia. Archives are the priceless documentary heritage of any nation and as the premier archival institution in the country; the National Archives of India plays a key role in guiding and shaping the development of archives both at the national as well as international level. In its unique position as the sole repository of Public records of the country, NAI has been the memory keeper of the nation.

Established in 1891 at Calcutta as the Imperial Records Department (IRD), the National Archives of India was later shifted to New Delhi in 1911. The present building of the National Archives of India was constructed in 1926, and the transfer of all records was completed in 1937. After Independence, the IRD was rechristened as National Archives of India.

As the custodian of public records of the Government of India, the regular series of records in the department dates back to the year 1748. These records contain information essential for good governance and they provide a sound basis for historical and interdisciplinary research. The National Archives of India also possesses microfilms of records of Indian interest acquired from the archival repositories located abroad. In addition, there is a rich collection of private papers of eminent Indians as well as a large collection of oriental records comprising manuscripts and various documents such as: (*parwanas, kharitas, farmans*) etc. All the records are available for consultation as per The Public Records

Rules, 1997. Besides, NAI also has a rich and ever expanding library of books apart from proscribed publications, vernacular native newspaper reports, parliamentary papers etc.

On 11 March 2015, the National Archives of India completed 125 years of its existence and this eventful journey from Imperial Records Department to National Archives of India was celebrated by a curtain raiser. During this programme, a plethora of activities were organized, viz, an exhibition, Launch of a Logo for 125<sup>th</sup> Year Celebration, online search portal : *Abhilekh Patal*, virtual exhibition on Gandhi-Mandela (displayed at Johannesburg as a part of Festival of India in South Africa), and the release of three new publications based on archival material of the department

National Archives of India function as an attached office of the Ministry of Culture entrusted with the preservation of the documentary heritage of the nation. It is also the nodal agency for the implementation of The Public Records Act, 1993 and the Public Records Rules, 1997. It has one Regional Office at Bhopal and three Records Centres at Bhubaneshwar, Jaipur and Puducherry.

The Department of Posts is pleased to release a commemorative postage stamp on completion of 125 years of existence of National Archives of India.

### Credits:-

Text : Based on the material received from proponent

Stamp/ FDC/ Cancellation Cachet : Smt. Nenu Gupta

## भारतीय डाक विभाग DEPARTMENT OF POSTS INDIA



## राष्ट्रीय अभिलेखागार National Archives of India

BROCHURE विवरणिका